भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. 1568

(सोमवार, 9 फरवरी, 2026/20 माघ, 1947 (शक) को उत्तर के लिए)

प्रधानमंत्री प्रशिक्षुता योजना के तहत धनराशि का उपयोग

1568. श्री के. सी. वेणुगोपालः

क्या **कारपोरेट कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रधानमंत्री प्रशिक्षुता योजना (पीएमआईएस) के तहत धनराशि के कम उपयोग जिसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 की अप्रैल-नवंबर के दौरान आवंटित बजट का केवल लगभग 4% ही खर्च किया गया था के क्या कारण हैं;
(ख) क्या यह सच है कि पहले दौर में 82000 से अधिक प्रशिक्षुता प्रस्ताव दिए जाने के बावजूद लगभग 28000 प्रस्ताव ही स्वीकार किए गए जिसके परिणामस्वरूप स्वीकृति दर लगभग 34% रही और यदि हां, तो तत्संबंधी कारण क्या हैं;
(ग) क्या प्रशिक्षुओं को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता का स्तर भागीदारी में बाधक है और यदि हां, तो क्या सरकार का वृत्तिका संरचना को संशोधित करने का विचार है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) अब तक पीएमआईएस के तहत प्रशिक्षुता पूरी करने वाले प्रशिक्षुओं की संख्या कितनी है और कौशल विकास तथा रोजगार क्षमता के संदर्भ में इसके क्या परिणाम रहे हैं; और
(ङ) भागीदारी, धन के उपयोग और पीएमआईएस की समग्र प्रभावशीलता में सुधार के लिए क्या सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क): वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना हेतु कारपोरेट कार्य मंत्रालय को बजट अनुमान चरण में 10,831.07 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई थी, और इसे संशोधित कर 506 करोड़ रुपये कर दिया गया। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की शुरुआत के रूप में 840 करोड़ रुपये के बजट के साथ एक पायलेट परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई। यह पायलेट परियोजना 3 अक्टूबर 2024 को प्रारंभ की गयी थी और वर्तमान में क्रियान्वयनाधीन है। दिनांक 30.09.2025 तक प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की पायलेट परियोजना के अंतर्गत 73.72 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया जा चुका है।

(ख) और (ग): कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा कराए गए स्वतंत्र मूल्यांकन एवं फीडबैक सर्वेक्षण, कॉल सेंटर द्वारा अभ्यर्थियों को की गई आउटबाउंड कॉल्स तथा अभ्यर्थियों, उद्योग जगत एवं उद्योग संघों तथा राज्य सरकारों जैसे विभिन्न हितधारकों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर, कम स्वीकृति/ज्वाइनिंग के पाए गए कतिपय कारण, निम्नलिखित हैंः

- स्थान एक महत्वपूर्ण कारक है, तथा अभ्यर्थियों द्वारा इंगित आदर्श यात्रा दूरी 5 से 10 किलोमीटर के बीच है।
- 12 महीने की इंटर्नशिप अवधि सामान्य कौशल विकास कार्यक्रमों की तुलना में अधिक लंबी है।
- कुछ अभ्यर्थी प्रस्तावित भूमिकाओं में रुचि नहीं रखते हैं।

पायलट परियोजना एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसके माध्यम से विस्तृत पैमाने पर कार्यान्वयन से पूर्व अवधारणाओं, रणनीतियों तथा प्रणालियों का परीक्षण किया जा सका है। पीएम इंटर्नशिप योजना का पूर्ण पैमाने पर क्रियान्वयन पायलट परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान प्राप्त परिणामों के मूल्यांकन तथा हितधारकों से किए गए परामर्श से प्राप्त फीडबैक के आधार पर किया जाएगा।

(घ): प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना को उद्योग-संगत कौशलों को बढ़ाने, रोजगार-तत्परता में सुधार करने तथा भारत की शीर्ष प्रदर्शनकारी कंपनियों एवं संस्थानों में संरचित इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावसायिक अनुभव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अभिकल्पित किया गया है, ताकि रोजगार-तत्पर, कुशल कार्यबल का सृजन किया जा सके। यह योजना रोज़गार प्रदान करने के लिए अभिकल्पित नहीं की गई है।

पायलेट परियोजना के अंतर्गत प्रदान की गई इंटर्नशिप की अवधि 12 महीने की होने के कारण, राउंड-I के अंतर्गत इंटर्नशिप के पूर्ण होने की तिथियाँ नवंबर 2025 से मार्च 2026 तक है तथा राउंड-II के अंतर्गत इंटर्नशिप के पूर्ण होने की तिथियाँ इंटर्न्स की कार्यग्रहण तिथि के अनुसार अप्रैल 2026 से आगे की हैं। दिनांक 27.01.2026 तक राउंड-I के अंतर्गत कुल 3,417 इंटर्न्स ने इंटर्नशिप पूरी कर ली है।

(ङ): प्रधानमंत्री इंटर्नशिप पायलट परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान प्राप्त अनुभव के आधार पर, कार्यान्वयन एवं परिणामों में सुधार हेतु निम्नलिखित प्रमुख कदम उठाए गए हैंः

1. पोर्टल में सुधार: इंटर्नशिप के स्थान को जियो-टैगिंग करने एक स्थान से दूसरे स्थान पर रिक्तियों एवं अभ्यर्थियों को स्थानांतरित करने की व्यवस्था तथा कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों को प्रदान किए जाने वाले अतिरिक्त लाभों की अधिक दृश्यता के लिए कार्यक्षमता।

2. लक्षित सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) गतिविधियाँ।

3. योजना की पहुँच बढ़ाने हेतु राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी), केंद्र सरकार के मंत्रालयों एवं विभागों तथा उद्योग संघों के साथ सक्रिय सहभागिता एवं समन्वय।

4. इंटर्न्स के कौशल एवं रोजगार योग्यता को बढ़ाने हेतु सार्थक इंटर्नशिप अनुभव सुनिश्चित करने के लिए उद्योग जगत के साथ सक्रिय सहभागिता जिसमें कंपनियों द्वारा इंटर्न्स की त्रैमासिक प्रगति की रिपोर्टिंग भी शामिल है।

******